इन्हें भी जोड़ो

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।

- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।

- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।

- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- जोड़ के सवाल मौखिक हल करना।
- पट्टी पर लिखकर भी हल करना।
- सवालों में कौन सी संख्या बड़ी, कौन सी छोटी, कौन सी बराबर, पहचानना।
- कौन से जोड़ बराबर हैं, पहचानना।
- 9 तक के और भी जोड़ करना। उन में से बराबर जोड़ पहचानना। बराबर जोड़ों में चर्चा के माध्यम से कुछ पेटर्न पहचानना।
- नीचे चित्रों में दिए सवालों को चित्र बनाकर हल करना। संख्या लिखकर भी हल करना।
- बातचीत करना कि सवाल कैसे हल किए यदि जरूरत पड़े तो ठोस वस्तुओं या उंगलियों की मदद लेना।
- 2 पासे से जोड़ का खेल खेलना। दोनों पासों पर जो अंक आएँ उन्हें लिखकर भी हल करना।

नोट :- यह केवल संख्याओं का पहला पन्ना है। वास्तव में गणित ऐसी ही अमूर्त संख्याओं का खेल है। कक्षा 1 में अमूर्तता तक पहुँचने के लिए काफी ठोस गतिविधियों की आवश्यक्ता है।

- इस तरह के सवाल और साथ-साथ ठोस वस्तुओं की गतिविधियाँ जारी रहें।

- सवाल हल करते समय बच्चों को सवाल के बारे में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें - तुमने कैसे किया? मेरा कम क्यों आया ?आदि।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

इन्हें भी जोड़ो

3	4	2
+ 2	+ 1	+ 1
____	____	____
2	4	6
+ 2	+ 4	+ 3
____	____	____
7	2	2
+ 2	+ 7	+ 3
____	____	____

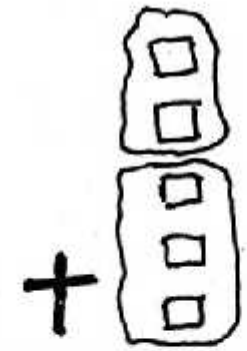

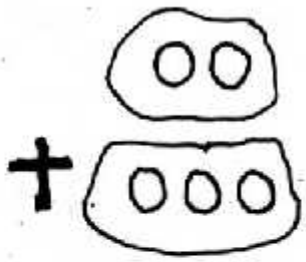

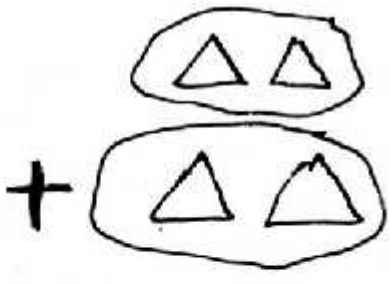

चूहा हाथी

चूहा

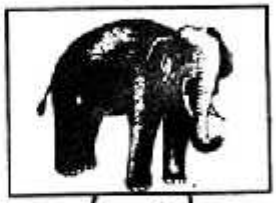
हाथी

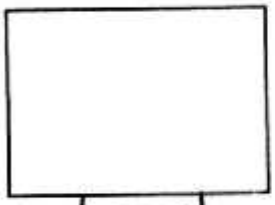
तराजू

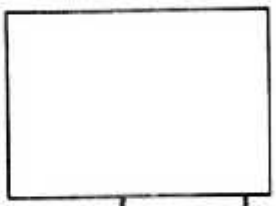
—ता

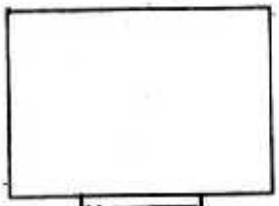
चकला

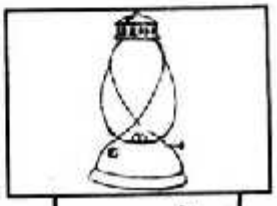
—लटेन

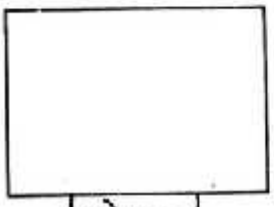
ढोलक

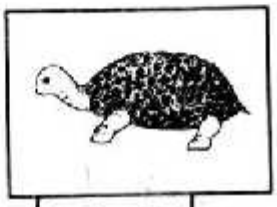
—छुआ

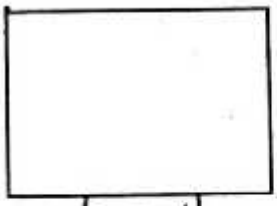
माला

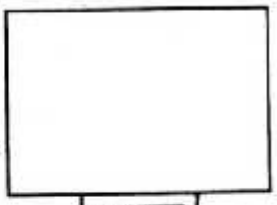
जाला

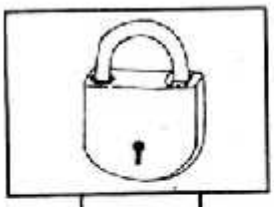
—ला

—ला

पली	परी	प	प—	प—
मन	मान	मना	पट	प— प—
पर	पीर	परी	कस	—स क—

आया।

आया। 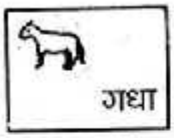

आया। हाथी जंगल गया। चूहा घर गया। गधा बाज़ार गया। हाथी ने

खाया। चूहे ने 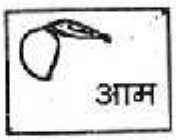

खाया। गधे ने

खाया। हाथी सो गया। चूहा सो गया। गधा सो गया।

चूहा हाथी

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियां भी सोचें व कराएँ

- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।

- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।

- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ

- चित्रों पर चर्चा
- चित्र और शब्द पहचानना, पढ़ना। शब्द पहचानकर, पढ़कर शब्द कार्ड, चित्र कार्ड ढूंढना।
- शब्द पहचानकर चित्र बनाना - मन से।
- एक शब्द के अंतिम और दूसरे के आरंभिक अक्षर को पहचानना। ऐसे और जोड़े बनाना जैसे ***चूहा-हाथी, रहा-हाथ, सहा-हारा*** ऐसे ही और जोड़ों के लिए।
- नए जोड़े भी शब्द कार्ड से ढूंढना, बनाना जैसे ***बकरी-रीछ***
- अंतिम और आरंभिक अक्षर में समानता पहचानकर खाली स्थान भरना जैसे ढोल्क कुछुआ। ऐसे और अभ्यास करना।
- एक ही अंतिम अक्षर के कई शब्द ढूंढना, बोलना, बनाना, लिखना। जैसे ***माला, जाला,*** या *लटकी, पटकी, मटकी*
- एक ही मात्रा अलग-अलग वर्णों पर लगाकर शब्द बनाना जैसे ***पली, परी, पटी, पकी....***
- एक ही मात्रा को अलग-अलग जगह लगाकर शब्द बनाना जैसे ***मन मान मना, पट, पाट, पटा.....*** ऐसे और जोड़े बनाना।
- अक्षर और मात्रा कार्डों से ये शब्द बनाना।
- नीचे दी गई कहानी शब्द कार्डों की सहायता से पढ़ना। कहानी के वाक्यों को बदल कर भी पढ़ना।
- बार-बार आए शब्द पहचानना। ढूँढना कहाँ-कहाँ लिखा है - जैसे हाथी, चूहा, गधा, आया, खाया, गया....आदि।
- अन्य शब्द चित्र कार्ड, शब्द कार्ड (क्रिया वाले) से भी ऐसी छोटी कहानियाँ बनाना।

नोट :- इस पन्ने पर पढ़ने की कई प्रकार की गतिविधियाँ हैं। उन्हें एक साथ न कराएं। एक बार में एक तरह की गतिविधि कराएँ, फिर किसी और पन्ने के अभ्यास।

- कहानी पढ़ने के कई तरह के अभ्यास करें। बोर्ड पर कहानी लिखकर बच्चों से कार्ड से बनवाएँ।

(त्रुटि सुधार - कहानी की आखिरी लाईन में हाथी ने टमाटर खाया की जगह गधे ने टमाटर खाया होना चाहिए।)

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?

पृष्ठ 58

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियां करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- गाँव से जंगल गए बच्चों के बारे में कहानी सुनना सुनाना। चर्चा करना।
- चित्रों पर बातचीत।
- हर एक पेड़ के आम गिनना। 10 आमों पर घेरा लगाकर गिनना।-14 आम वाले एक पेड़ में 1 आम और जोड़ो। कितने हुए ?-13 आम वाले एक पेड़ से 3 आम हटा दो। कितने हुए?- 19 आम वाले पेड़ में से एक आम हटा दो । कितने हुए ?
- एक-एक पेड़ के आमों पर बारी-बारी से कंकड़ रखना। फिर वही कंकड़ खानों में रखकर देखना कि कौन से पेड़ के आम किस स्तम्भ में जाएंगे।
- खानों को गिन कर उपयुक्त अंक कार्ड ढूंढना।
- 10 से 20 तक के अंक कार्डों को क्रम में जमाना । कौन सी संख्या का स्तम्भ नहीं है देखना।
- इस तरह के खानों के स्तम्भ पट्टी पर बनाकर उनमें कंकड़ रख संख्या लिखना।
- हर पेड़ के नीचे सही संख्या लिखना।
- हर स्तम्भ के ऊपर और नीचे भी सही संख्या लिखना।
- आम, जानवर, बच्चों पर सवाल पूछना, लिखना, करना।

नोट :-(त्रुटि सुधार 13 व 14 आम वाले 2-2 पेड़ हो गए हैं। 10 एवं 18 आम वाला कोई पेड़ नहीं है। 19 का स्तम्भ नहीं है। अतः 4,5,5 को 7 के पहले करना जरुरी है।)

- यह पन्ना 10 से 20 तक की संख्याओं को 10 के आधार पर समझने की कोशिश है। यह दहाई का आधार है। संख्या नाम व आधार समझना काफी लंबी प्रक्रिया है। इसमें काफी कठिनाइयाँ आती हैं। एक बात ध्यान में रखें इन संख्याओं को एक पे एक ग्यारह , एक पे दो बारह, या एक और एक ग्यारह एक और दो बराह के रुप में न पढ़ाएँ बल्कि दस और एक दस और दो के रुप में बताँ। इस से आगे चलकर समझने में आसानी होगी।

- इस समय पर्याप्त अभ्यास के साथ-साथ इन संख्याओं से कई तरह के खेल खेलने की जरुरत है, क्रम में जमाना, गिनना, एक और ,एक कम जोड़ना, घटाना, कम-ज्यादा आदि के संदर्भ में सोचना, बात करना, सवाल बनाना व करना।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

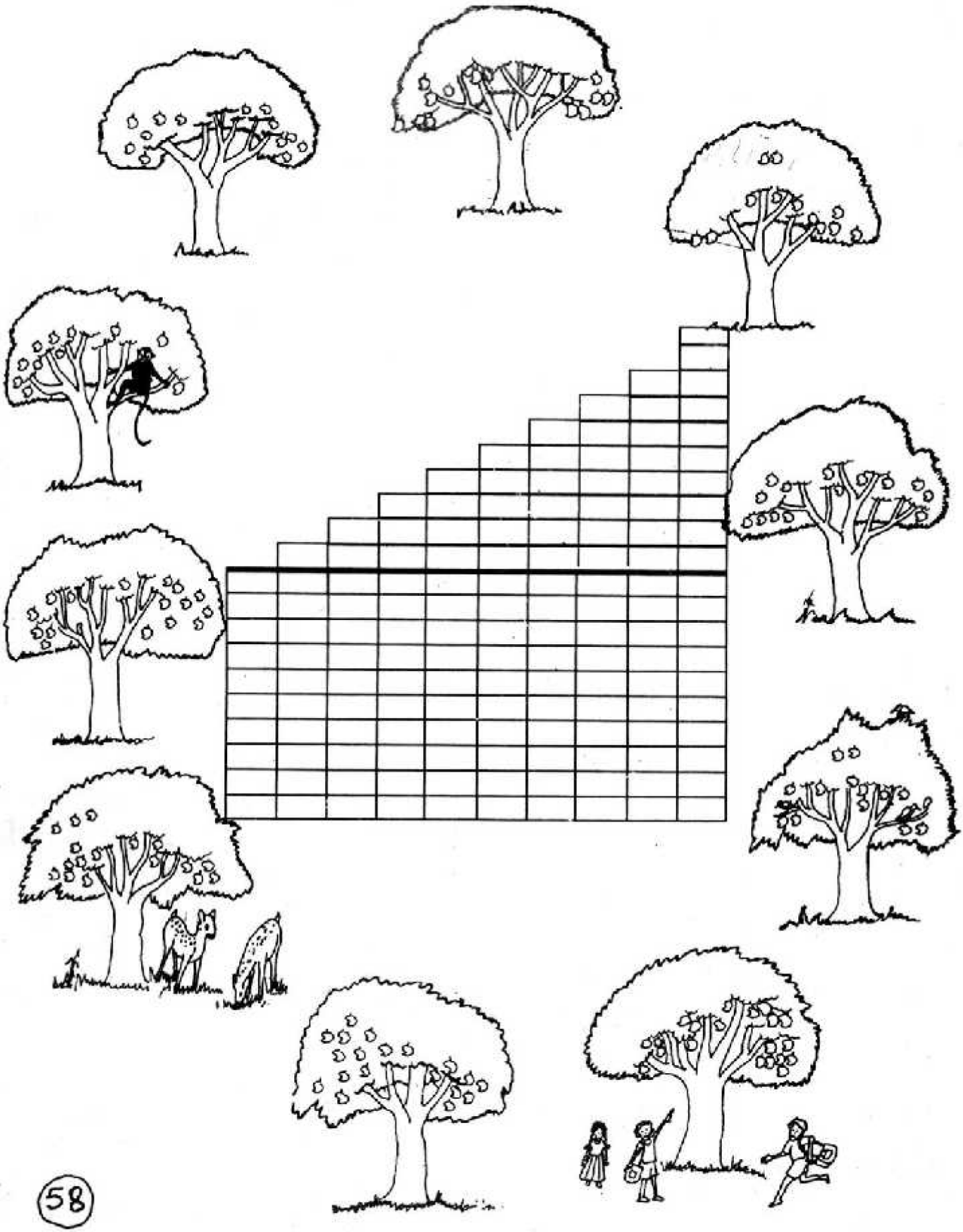

कौन किसके साथ ?

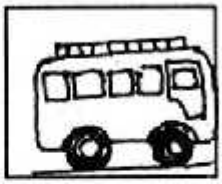

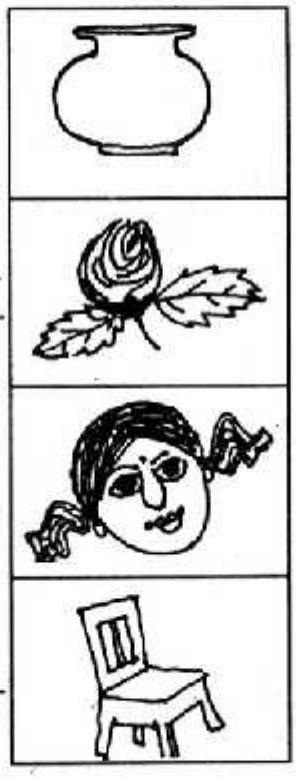

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?

कौन किसके साथ

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।

- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।

- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।

- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्रों पर चर्चा, कहानियाँ बनाना।
- जोड़ी ढूँढना। जोड़ी के आधार पर बातचीत जैसे बकरी घास खाती है। टायर बस में लगता है।
- उपयुक्त शब्द चित्र कार्ड ढूँढना। खाली जगह पर नाम लिखना।
- शब्द चित्र कार्डों से और ऐसी जोड़ियाँ ढूँढना।
- नीचे दिए शब्द चित्रों की मन से जोड़ियाँ सोचकर बनाना जैसे मटके का लोटा/ गिलास, फूल-पेड़, पानी/तितली..... इन जोड़ियों पर बातचीत करना। जोड़ी के आधार आदि पर।
- जोड़ी का चित्र बनाना, नाम लिखना।
- इस तरह अलग-अलग संदर्भों में बात करना।

नोट :- दो वस्तुओं के बीच संबंध समझना, सोच पाना, दुनिया के बारे में समझ बनाने की एक आधार भूत मानसिक प्रक्रिया, दक्षता है। ये संबंध कई प्रकार के होते हैं। धीरे-धीरे जटिल संबंधों को भी समझा जा सकता है। ये संबंध कई प्रकार के होते हैं ।
(उपयोग, एक समूह सदस्य जैसे जानवर आदि)
- बच्चों को खुले रुप से संबंध स्थापित करने दें उन पर किसी खास संबंध पर जोर न दें। बच्चों से इन संबंधों पर बात जरुर करें।